भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 4853

सोमवार, 23 मार्च, 2026/02 चैत्र, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत पोंग बांध का विकास

4853. डॉ. राजीव भारद्वाजः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में पोंग बांध क्षेत्र को स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत चिन्हित किया गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या पोंग बांध क्षेत्र का सर्वेक्षण कार्य पूरा कर लिया गया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना का विकास, जिसमें गंतव्य का मूल्यांकन, सर्वेक्षण आदि शामिल हैं, मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं, जिनमें 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास - सीबीडीडी' (स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत एक पहल) आदि शामिल हैं, के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को देश में पर्यटकों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके इन प्रयासों को संपूरित करता है। यह सहायता उनसे योजना दिशानिर्देशों एवं सरकारी निर्देशों के अनुरूप परियोजना प्रस्ताव प्राप्त होने पर निधियों की उपलब्धता, आपसी प्राथमिकता आदि के अध्यधीन प्रदान की जाती है। हिमाचल प्रदेश के 'पोंग बांध' को एसडी 2.0 के अंतर्गत एक गंतव्य के रूप में चिह्नित किया गया था। हालांकि, वर्तमान में मंत्रालय ने हिमाचल प्रदेश राज्य में एसडी 2.0 के अंतर्गत 56.26 करोड़ रुपये की 1 परियोजना 'मां चिंतपूर्णी देवी मंदिर, ऊना का विकास' और सीबीडीडी योजना के तहत 24.82 करोड़ रुपये की 'संस्कृति और विरासत के अंतर्गत काज़ा' और 4.96 करोड़ रुपये की 'रक्षम जीवंत ग्राम में पर्यटन अवसंरचना विकास' नामक 2 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

****